माननीय राज्यपाल हरियाणा प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा पंचकूला में स्वतंत्रता दिवस समारोह, 15 अगस्त, 2015 में दिया गया भाषण।

प्यारे देषवासी भाईयो व बहनो! राष्ट्रीय पर्व–स्वतंत्रता दिवस के षुभ अवसर पर आप सबको हार्दिक बधाई और षुभकामनाएं। 68 साल पहले वर्ष 1947 में इसी षुभ दिन की पावन वेला में हर भारतवासी का आजादी पाने का सपना साकार हुआ था। उस दिन हमने आजादी की खुली हवा में सांस ली थी। इसलिए 15 अगस्त का दिन हम भारतवासियों के लिए बड़े गर्व और गौरव का दिन है। इसी दिन को देखने के लिए भारत मां के कितने ही सपूतों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। इसी दिन के लिए असंख्य देषभक्तों ने विदेषियों के हाथों कष्ट और यातनाएं सहीं। इसलिए आज यह पर्व मनाया जाना औपचारिकता मात्र नहीं है बल्कि यह हर कीमत पर आजादी की रक्षा करने का संकल्प लेने का अवसर है।

आजादी के इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें लम्बे समय तक संघर्ष करना पड़ा। यह संघर्ष 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से षुरू हुआ था। उस समय हमने ईस्ट इंडिया कंपनी के षासन को उखाड़ फेंकने में सफलता मिली थी। लेकिन वह सफलता पूरी सफलता नहीं थी। इसलिए विदेषी षासन के विरूद्ध देषवासियों में नई चेतना जागृत होती रही और तीन दषक बाद राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलन की पुनः षुरूआत हुई।

हमारा वह स्वतंत्रता आन्दोलन इतिहास के पन्नों में एक युगान्तकारी घटना थी। महात्मा गांधी के नेतृत्व में उस आंदोलन का हथियार अहिंसा था। दूसरी ओर राजगुरू, सुखदेव, सरदार भगतसिंह जैसे वीरों ने हंसते–हंसते फांसी के फंदे को चूमा। लाला लाजपत राय ने लाठियां खाईं। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, चन्द्रषेखर आजाद और न जाने कितने ही देषभक्तों ने आजादी की बलिदेवी पर अपने प्राण न्यौछावर किए।

आइए! आज पंचकुला की इस पावन भूमि पर देष की आजादी की लड़ाई में अपनी जान कुर्बान करने वाले सब ज्ञात–अज्ञात अमर षहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें। उन सब स्वतंत्रता सेनानियों को भी नमन करें जिन्होंने हमें स्वतंत्रता का उपहार देने के लिए निरंकुष विदेषी शासकों के हाथों कठोर यातनाएं सहीं। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा था–

नमन उन्हें मेरा षत बार
जिनकी चढती हुई जवानी, खोज रही अपनी कुर्बानी
जलन एक जिनकी अभिलाषा, मरण एक जिनका त्योहार
नमन उन्हें मेरा षत बार।

प्रिय देषवासियो! हम उन वीरों के सदैव ऋणी रहेंगे। आज उन सबकी कुर्बानियों की यादें हमारे दिलों में ताजा हो गई हैं। आइए हम उनके जैसी देषभक्ति, देषप्रेम, साहस व कर्त्तव्यनिष्ठा का प्रण लें। उनके द्वारा दिलवाई गई इस स्वतंत्रता, राष्ट्रीय एकता व अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने की कसम खाएं।

हमारा यह भी परम कर्त्तव्य है कि हम मातृभूमि की रक्षा के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले शहीदों और सेवारत सैनिकों के परिवारों और उनके आश्रितों का पूरा ध्यान रखें। इसीलिए हमारी सरकार ने शहीदों के परिवारों और उनके आश्रितों को अनेक शैक्षणिक आरक्षण और वित्तीय लाभ दिए हैं ताकि वे आरामदायक व सम्मानजक जीवन व्यतीत कर सकें।

भाईयो और बहनो! आजादी पाने के बाद देष का नवनिर्माण करना हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। इस चुनौती का सामना करते हुए हमारे नेताओं ने प्रगतिषील सोच के साथ देष को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अथक प्रयास किए।

हमारे महान दूरदर्षी नेता डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, डॉ० भीमराव अम्बेडकर, लोक नायक जय प्रकाष नारायण, डा0 राम मनोहर लोहिया, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद जैसे नेताओं ने लोगों की रचनात्मक क्षमताओं का उपयोग राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र निर्माण के कार्य में किया। आजादी का लक्ष्य भी यही था। हमने खुद को सदियों के कुषासन से मुक्ति दिलाने, गरीबी, अज्ञानता को मिटाने, साम्प्रदायिकता और जातिगत पूर्वाग्रहों से मुक्ति पाने के लिए ही स्वतंत्रता की कामना की थी।

पिछले 68 सालों से हम इन विसंगतियों से लड़ाई लड़ रहे हैं। इस दौरान भारत अपने बलबूते पर न केवल अपने पैरों पर खड़ा हुआ है बल्कि विष्व की सैन्य व आर्थिक महाषक्तियों में षुमार हो गया है। कभी सूई से लेकर जहाज तक विदेषों से खरीदने वाले भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। इससे विकास की महान क्षमताओं के साथ हमारा देष एक अग्रणी राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। इसके फलस्वरूप भारत ने वैष्विक समुदाय में एक प्रतिष्ठित सदस्य का स्थान हासिल कर लिया है। हमें अपने इस महान देष पर गर्व है।

आज हम अपने उन राष्ट्र निर्माताओं, सीमा प्रहरी सैनिकों, प्रतिभाषाली वैज्ञानिकों, अन्नदाता किसानों, मेहनतकष कामगारों के प्रति भी गहन कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, साहस और मेहनत के बल पर भारत को दुनिया की बड़ी षक्ति के रूप में खड़ा कर दिया है। इसी काम में महान योगदान करने वाले महान वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डा0 ए0 पी0 जे0 अब्दुल कलाम पिछले दिनों दिवंगत हो गए। मैं उनको विषेष रूप से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और सब देषवासियों का आह्वान करता हूं कि उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढते हुए भारत को 21वीं सदी की सर्वोच्च षक्ति बनाने के काम में जुट जाएं।

प्यारे देषवासियो! आजादी पाने से अब तक के भारत की गौरवपूर्ण यात्रा में हर कदम पर हर भारतीय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हरियाणा को भी गर्व है कि हमने देष के स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई है। हमें गर्व है कि 10 मई 1857 को स्वतंत्रता आन्दोलन की पहली चिंगारी हरियाणा में अम्बाला से फूटी थी। हरियाणा के वीरों ने आजादी के बाद भी देष की सीमाओं की सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमें गर्व है कि आज देष की सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से है। हमारे सैनिकों ने 1962, 1965 व 1971 के विदेशी आक्रमणों और आप्रेषन कारगिल युद्ध के दौरान वीरता की नई मिसाल पेष की है। प्रदेष के वीर कभी भी राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अपने अमूल्य प्राणों की आहूति देने से पीछे नहीं हटे।

मैं स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हरियाणावासियों को इस बात की भी बधाई देता हूं कि यह राज्य अपनी प्रगतिषील सामाजिक और आर्थिक नीतियों व कार्यक्रमों के माध्यम से देष की अर्थव्यवस्था और प्रजातान्त्रिक सिद्धांतों को सुदृढ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भौगोलिक दृष्टि से छोटा राज्य होते हुए भी प्रदेष ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र, विषेषकर– कृषि, बिजली, पेयजल, षिक्षा, उद्योग, सॉफ्टवेयर, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, सामाज कल्याण आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस दौरान प्रदेष ने अपनी समृद्ध, सांस्कृतिक धरोहर को भी सहेजकर रखा है।

वर्तमान समय में प्रदेष सरकार ने भ्रष्टाचार मिटाने और सुषासन प्रदान करने के लिए जो अभियान चलाया है, वह सराहनीय है। इस दिषा में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी व भारत रत्न मदन मोहन मालवीय के जन्म दिवस 25 दिसम्बर को प्रदेष में 'सुषासन दिवस' के रूप मे मनाया गया।

राज्य के लोगों को नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए स्टेट पोर्टल बनाया गया है। इसके अंतर्गत अभी तक सभी विभागों, बोर्डों इत्यादि की वैबसाईट को लिंक किया गया है और मार्च, 2016 तक कुल 150 ई–सेवाएं प्रदान करने का प्रस्ताव है। पंचायतों के संस्थानीकरण के उद्देष्य से सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम 'ग्राम सचिवालय' स्थापित करने की एक नई योजना षुरू की गई है।

इसी प्रकार लोगों की षिकायतों और समस्याओं के निवारण के लिए हर जिला मुख्यालय पर सी0 एम0 विंडो की स्थापना, सी0 एम0 वेबपोर्टल, एफ0 आई0 आर0 दर्ज करवाने के लिए सिटीजन पोर्टल, ई–दिषा केन्द्रों के माध्यम से जमीनों की पारदर्षी ढंग से रजिस्ट्री करना जैसे कार्यक्रम अत्यन्त कारगर साबित हो रहे हैं। राज्य में डिजिटल इंडिया, स्वच्छ हरियाणा–स्वच्छ भारत, सांसद आदर्ष ग्राम योजना, मेक इन इंडिया, कौषल विकास योजना आदि योजनाएं भी तेजी से लागू की जा रही हैं।

प्रधानमंत्री जी ने बेटी बचाओ–बेटी पढाओ योजना का षुभारम्भ भी हरियाणा में ही पानीपत से किया था। इसलिए इस योजना को सफल करने में हमारी जिम्मेदारी अधिक बनती है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मैं सब नागरिकों से अपील करता हूं कि आप 'बेटी बचाओ–बेटी पढाओ' योजना को सफल बनाने के लिए सक्रिय योगदान करें। लिंग अनुपात को संतुलित करने के लिए कन्या भ्रूण हत्या न करने और न करने देने का संकल्प लें और साथ ही बेटियों को जीवन में आगे बढने का हर अवसर प्रदान करें।

भाईयो और बहनो! मूल रूप से हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है। यह खाद्यान्नों के अग्रणी उत्पादक राज्यों में से एक है। इसलिए सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोपरि माना है। सरकार ने बेमौसमी बरसात और ओलावृष्टि में गेहूं की फसल खराब होने पर 12 हजार रूपये प्रति एकड़ तक मुआवजा राषि निर्धारित की है।

राज्य में जैविक खेती को बढावा देने के लिए जैव उर्वरकों पर लागू 5 प्रतिषत वैट को हटाया गया है। गोधन की सुरक्षा के लिए गौ–संरक्षण व गौ–संवर्धन कानून बनाया गया है।

हर्ष का विषय है कि हरियाणा आज देष में तेजी से विकसित हो रहा राज्य है। राज्य में बहुत ही उत्तम व आधुनिक आधारभूत सुविधाएं विकसित की गई हैं। यहां अति विकसित औद्योगिक संपदाएं, सड़कों व रेलमार्गों का जाल, उत्तम संचार सुविधाएं और आधुनिक तकनीकी व षिक्षण संस्थान मौजूद हैं। षहरी क्षेत्र ही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर भी विषेष ध्यान दिया जा रहा है।

पिछले दिनों केन्द्र सरकार ने प्रदेष के 9 राज्य मार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया है और इनमें से तीन पर काम भी षुरू हो गया है। प्रदेष में एक हजार 74 करोड़ रूपये की तीन नई रेल परियोजनाएं भी स्वीकृत हो चुकी हैं। मैट्रो रेल का विस्तार फरीदाबाद व बल्लबगढ तक करने का काम षुरू हो चुका है। आपके षहर पंचकुला से चण्डीगढ–मोहाली तक भी मैट्रो रेल चलाने के लिए प्रयास जारी हैं। राज्य के दो षहरों को प्रधानमंत्री की स्मार्ट सिटी योजना के तहत विकसित किया जाएगा।

यद्यपि हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेष है, लेकिन यह उद्योगों के विकास में भी अग्रणी राज्य बन गया है। प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' विजन पर चलते हुए राज्य में निवेश एवं उद्यम विकास नीति–2015 बनाई गई है। इस नीति के माध्यम से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित कर चार लाख से अधिक रोजगार सृजित किए जाएंगे। इसका लक्ष्य राज्य के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर को आठ प्रतिशत से अधिक करना है। इस नीति से राज्य सकल घरेलू उत्पाद में सैकेण्डरी सैक्टर के योगदान को 27 प्रतिशत से बढ़ाकर 32 प्रतिशत करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

मुझे विष्वास है कि निवेश एवं उद्यम विकास नीति–2015 राज्य में उद्योगों के विकास में अत्यन्त कारगर सिद्ध होगी। इस नीति का मकसद कारोबार की सहूलियत बढ़ाना, कारोबार लागत को कम करके उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनाना, प्रदेश के सभी क्षेत्रों में उद्योगों का विस्तार करके संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करना, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना पर बल और प्रोत्साहन देना, नीति का क्रियान्वयन और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए ढांचा तंत्र विकसित करना, शिकायतों का निवारण करना और उद्योग जगत से सतत् सम्पर्क स्थापित कर हरियाणा को एक 'पसंदीदा गन्तव्य' के रूप में स्थापित करना है।

उद्योगों के विकास के लिए बिजली अति आवष्यक घटक है। बिजली उद्योग ही नहीं आज हर क्षेत्र में विकास की धुरी है। इसलिए हरियाणा को बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी प्रयास जारी हैं। इस समय राज्य में बिजली की स्थापित क्षमता 5 हजार 300 मेगावाट है। इसमें और वृद्धि करने के लिए पानीपत व यमुनानगर में आठ–आठ सौ मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने की दिषा में प्रयास जारी हैं। षहरों की तरह गांवों में 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने के लिए 'म्हारा गांव जगमग गांव' योजना की षुरूआत की गई है।

खेलों के क्षेत्र में हरियाणा के खिलाड़ियों ने ओलम्पिक, राष्ट्रमंडल, एषियाई आदि खेलों में महान उपलब्धियां हासिल कर देष व प्रदेष का नाम रोषन किया है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा खेल एवं षारीरिक उपयुक्तता नीति बनाई है। अगले साल होने वाले ओलम्पिक खेलों में स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक विजेताओं के लिए क्रमषः छह, चार और अढाई करोड़ रूपये के नकद पुरस्कार तय किए गए हैं। राष्ट्रमंडल, एषियाई व राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेताओं को भी नकद ईनाम दिए जाएंगे।

सरकार का लक्ष्य मूल्य–आधारित षिक्षा उपलब्ध करवाना है, जो परम्पराओं का सम्मान करती हो और चरित्र निर्माण में सहायक हो। षिक्षण स्तर में सुधार लाने के लिए स्कूलों में मासिक टैस्ट लेने की स्कीम षुरू की गई है। नई हरियाणा खेल एवं षारीरिक स्वस्थता नीति–2015 के अनुसार प्रदेष में प्रत्येक स्कूल में योग कक्षाएं संचालित की जाएगी। स्कूलों में व्यावसायिक षिक्षा षुरू करने में भी तेजी लाई जाएगी, जिससे 'मेक इन हरियाणा, मेक इन इण्डिया' अभियान को और गति मिलेगी। स्वच्छता अभियान स्कूली पाठ्यक्रमों में षामिल किया जाएगा। भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए स्कूलों में विजिलेंस विंग की स्थापना की जाएगी। हरियाणा के स्कूलों में नये पाठयक्रम में गीता के ष्लोक भी षामिल किए जाएंगे।

मुझे खुषी है कि हरियाणा में आधुनिक षिक्षा के हर संकाय और विषय की षिक्षा देने के लिए अनेक विष्वस्तरीय षिक्षण संस्थान खुल चुके हैं। राज्य में 12 नए स्ववित्त पोषित डिग्री कालेज और एक नया लॉ कालेज खोलने की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में गरीब से गरीब व्यक्ति को आधुनिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इस दिषा में योग दिवस पर राज्यभर में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ताकि लोग स्वस्थ जीवन षैली अपनाकर बीमार ही न हों। प्रदेष के 6500 गांवों व षहरों की सभी बस्तियों में योगषालाएं स्थापित की जानी हैं। इनमें से इस वर्ष 1050 योगषालाएं स्थापित की जा रही हैं। प्रदेष के सब सरकारी अस्पतालों में आवष्यक दवाएं मुफ्त उपलब्ध करवाई जा रही हैं। जिला करनाल के गांव कुटैल में अंतरिक्ष वैज्ञानिक कल्पना चावला के नाम पर मेडिकल युनिवर्सिटी खोलने की दिषा में काम प्रगति पर है। सरकार का लक्ष्य प्रदेष के हर जिले में मेडिकल कालेज खोलना है। आयुर्वेद को बढावा देने के लिए कुरूक्षेत्र में आयुष विष्वविद्यालय खोलने का निर्णय किया गया है।

एक कल्याणकारी राज्य होने के नाते हरियाणा सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। समाज के कमजोर वर्गों की दषा सुधारने के लिए राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। राज्य में विकास व प्रगति का लाभ गरीब से गरीब व्यक्ति तक पहुंचाकर उनके लिए रोटी, कपड़ा व मकान सुनिष्चित करने की कोषिष की जा रही है। वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा और निःषक्त पेंषन बढाकर 1200 रूपये प्रतिमाह किया गया है। इसमें हर साल 200 रूपये की बढोतरी होगी। 'प्रधानमंत्री जन–धन योजना' के तहत आर्थिक रूप से पिछड़े हर परिवार के जीरो बैलेंस पर एक लाख रुपये दुर्घटना बीमा कवर के साथ खाते खोले गए। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 18 से 70 साल की आयु के सभी बचत बैंक खाता धारकों का मात्र 12 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना मृत्यु जोखिम कवर बीमा किया जा रहा है।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 18 से 50 साल की आयु के सभी बचत बैंक खाता धारकों का 330 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा किया जा रहा है। असंगठित क्षेत्र के लोगों की वृद्धावस्था में आय सुरक्षा सुनिष्चित करने के लिए अटल पेंषन योजना षुरू की गई है।

मैं इन उपलब्धियों के लिए राज्य सरकार, उद्यमियों, कर्मठ किसानों और श्रमिकों को बधाई देता हूं। यह गौरव की बात है कि एकता, भाईचारा और परस्पर सौहार्द हरियाणा की परम्परा रही है। मुझे उम्मीद है कि आप इस परम्परा को सदैव बनाए रखेंगे। इस ऐतिहासिक दिवस पर जब हम अपना स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, मैं देषवासियों से आग्रह करता हूं कि आप भाईचारे, शांति और साम्प्रदायिक सौहार्द को सुदृढ़ करने में अपना सहयोग दें ताकि प्रत्येक क्षेत्र में चहुंमुखी विकास के उद्देष्य को हासिल किया जा सके।

भाईयो और बहनो! आज पंचकुला जिले का स्थापना दिवस भी है। आज ही के दिन 1995 में पंचकुला हरियाणा का 17वां जिला बना था। मैं आपको जिले के स्थापना दिवस की भी बधाई देता हूं। इस क्षेत्र के लोग कभी से ही बड़े प्रगतिषील रहे हैं। आपने अपनी मेहनत और सूझबूझ से पंचकुला को सुन्दर षहर बनाया है।

प्यारे देषवासियो! उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ–साथ आज आत्म अवलोकन का दिन भी है। आज नई चुनौतियां और समस्याएं देष व समाज को कमजोर कर रही हैं। हमें यह ध्यान रखना है कि चरित्र–निर्माण के बिना राष्ट्र–निर्माण अधूरा है। आजादी के लिए लड़ने वाले महापुरूषों ने हमें आजादी के साथ–साथ सदाचार, अच्छे विचारों और संस्कारों की महान परम्परा विरासत में दी थी। आज उस परम्परा को आगे बढाना हर देषवासी के लिए बहुत जरूरी हो गया है क्योंकि आज भ्रष्टाचार, कदाचार, अपसंस्कृति, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता, सिद्धांतहीनता गंभीर चुनौती बन गई हैं।

इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या, महिलाओं के प्रति अपराध, दहेज प्रथा, दिखावा, उपभोक्तावाद व भौतिकवाद से उपजी अनेक बुराईयां व कुरीतियां समाज को खोखला कर रही हैं। नैतिक मूल्यों का पतन देखकर गहरी पीड़ा होती है। देष को आज ऐसे आदर्ष व्यक्तित्वों की जरूरत है जिनके कार्यों और सिद्धांतों को नई पीढी अपना आदर्ष मानकर उनका अनुसरण कर सके।

आज हमें देष के हर बच्चे, बूढे व जवान में देषप्रेम का वह जज्बा भरना है जो स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों में हमारे षहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के हृदय को उद्वेलित कर रहा था। हमें बच्चों व युवाओं को ऐसी षिक्षा देनी है कि वे आधुनिकता व विषेषज्ञता की दौड़ में आगे निकलने के साथ–साथ प्राचीन भारतीय दर्षन, सभ्यता व संस्कृति के उच्च मानवीय मूल्यों को भी अपने जीवन में आत्मसात करें। उनमें पंथनिरपेक्ष व वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास हो।

इस ऐतिहासिक दिवस पर जब हम अपना स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, मैं देषवासियों से आग्रह करता हूं कि वे भाईचारे, शांति और साम्प्रदायिक सौहार्द को सुदृढ़ करने में अपना सहयोग दें ताकि प्रत्येक क्षेत्र में चहुंमुखी विकास के उद्देष्य को हासिल किया जा सके। मैं एक बार फिर भारत के स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आप सबके सुखी और सुनहरे भविष्य की कामना करता हूं।

जयहिन्द!